दिव्यांगजन सहायता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन :–

सार्थक चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास हेतु सहायता बाबत समय–समय पर शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों व उनके परिवारों को विभिन्न प्रकार की सहायता और संसाधन उपलब्ध कराना है, जिससे वे एक सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

आयोजित इन शिविरों में निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं–

- ज़रूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों व्हीलचेयर, बैसाखी, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र, और अन्य सहायक उपकरण सरकारी योजनान्तर्गत उपलब्ध करनाने हेतु आवेदन फार्म तैयार कर उचित मागदर्शन प्रदान किया गया जिससे की उनके दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुधार हो सके है।
- दिव्यांगजनों हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं जैसे पेंशन, छात्रवृत्ति, बीमा, और स्वरोजगार योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाती है।
- शिविरों में दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी भी प्रदान की गईं, जिससे वे रोजगार प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने में सक्षम हो सकें।
- जागरूकता और परामर्श शिविरों में दिव्यांगता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने और दिव्यांगजनों और उनके परिवारों को परामर्श प्रदान करने का भी कार्य किया जाता है।

सार्थक चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित ये शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने और एक बेहतर जीवन जीने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

शिविर की दिनांक	शिविर का स्थान
10.04.2023	राघौगढ
14.09.2023	ट्रस्ट कार्यालय, छीपाबडौद
03.10.2023	छबडा

किसान जागरूकता सहायता शिविर का आयोजन :–

सार्थक चौरिटेबल ट्रस्ट किसानों के उत्थान और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता के तहत, ट्रस्ट ने पिछले वर्ष में विभिन्न किसान जागरूकता एवं सहायता शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं, और कृषि से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना था। पिछले वर्ष की गतिविधियाँ–

ट्रस्ट द्वारा 3 शिविरों का आयोजन ट्रस्ट कार्यालय छीपाबडौद, छबडा ब्लॉक तथा राघौगढ ब्लॉक (म.प्र.) के स्थानों पर किया गया जिसमें लगभग 488 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

- शिविरों में कृषि विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, उर्वरकों के उचित उपयोग, कीट नियंत्रण, और फसल प्रबंधन पर व्याख्यान दिए गए।
- किसानों को केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, कृषि ऋण योजनाओं, और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कई शिविरों में, किसानों को इन योजनाओं के लिए पंजीकरण कराने में भी सहायता की गई।
- स्थानीय कृषि अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत का सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने अपनी समस्याओं और चिंताओं को साझा किया और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किए।

इन शिविरों का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। किसानों ने नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की है, जिससे उन्हें अपनी कृषि उत्पादकता बढ़ाने और आय में सुधार करने में मदद मिली है। शिविरों ने किसानों को एक मंच प्रदान किया जहाँ वे एक–दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और विशेषज्ञों से सलाह ले सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण हेतु जागरूकता शिविर :–

सार्थक चैरिटेबल ट्रस्ट महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस सन्दर्भ में "महिला जागरूकता एवं सहायता शिविरों" का आयोजन किया गया। पिछले वर्ष में आयोजित शिविरों, उनकी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है। शिविरों लगभग 322 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। शिविरों में निम्न मुख्य गतिविधियाँ शामिल थीं :

- कानूनी जागरूकता: महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, जैसे कि संपत्ति का अधिकार, घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिकार, और शिक्षा एवं रोजगार के समान अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।
- स्वास्थ्य जागरूकता: महिलाओं को उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, और प्रजनन से संबंधित जानकारी दी गई।
- आर्थिक सशक्तिकरण: महिलाओं को स्वरोजगार के अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों, और वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।
- सामाजिक जागरूकता: महिलाओं को समाज में उनकी भूमिका, लैंगिक समानता, और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ने के बारे में जागरूक किया गया। इसके माध्यम से महिलाओं को समाज में बदलाव लाने के लिए उन्हें शक्ति, ज्ञान और आत्मविश्वास प्राप्त होता है।

शिविर की दिनांक	शिविर का स्थान
09.05.2023	राघौगढ
10.10.2023	ट्रस्ट कार्यालय, छीपाबडौद
15.02.2024	छबडा

महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण जागरूकता शिविर :–

सार्थक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पिछले वर्ष ट्रस्ट ने 252, महिलाओं व युवतियों को सिलाई तथा 100 महिलाओं व युवतियों ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना और उन्हें स्वरोजगार के लिए तैयार करना है।

- सिलाई प्रशिक्षण महिलाओं को विभिन्न प्रकार के कपड़ों की सिलाईए कटाईए डिज़ाइनिंग और मशीन संचालन का प्रशिक्षण दिया गया।
- ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण महिलाओं को हेयर कटिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप, त्वचा की देखभाल और अन्य सौंदर्य तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रभाव प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं में से कई ने या तो अपना व्यवसाय शुरू किया है या उन्हें रोजगार मिला है जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। यह कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और समाज में उनकी स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ट्रस्ट भविष्य में भी इस कार्यक्रम को जारी रखने और इसका विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम :–

सार्थक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम, एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रस्ट ने सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का विभिन्न स्थानों पर आयोजन किया, इसमें निम्न प्रमुख गतिविधियाँ की गई–

- जागरूकता अभियानः ट्रस्ट ने स्कूलों, कॉलेजों, और सार्वजनिक स्थानों पर सड़क सुरक्षा नियमों, जैसे कि हेलमेट का उपयोग, सीट बेल्ट का उपयोग, गति सीमा का पालन, और नशे में गाड़ी न चलाने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए।
- कार्यशालाएँ और सेमिनारः सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए गए, जिनमें यातायात नियमों, दुर्घटनाओं के कारणों, और उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की गई।
- नुक्कड़ नाटक और प्रदर्शनियाँः सड़क सुरक्षा के संदेश को प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटकों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

जैविक खेती को लेकर कृषक संगोष्ठी

सार्थक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित "जैविक खेती को लेकर कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम" ट्रस्ट की गतिविधि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और किसानों को जैविक खेती के लाभों के बारे में जागरूक करने के लिए संगठन के प्रयासों को दर्शाता है। जैविक खेती के महत्व को समझाने हेतु किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए पिछले वर्ष, ट्रस्ट कार्यालय पर जैविक खेती पर 3 कृषक संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिनमें छीपाबडौद व छबडा ब्लॉक के लगभग 300 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस दौरान ट्रस्ट अध्यक्ष मोहन बाचोलिया, जैविक कृषि के जानकार जिला स्तर पर पुरस्कार प्राप्तकर्ता कार्यक्रम समन्वयक इन्द्रेष जी व अन्य अतिथि मौजूद थे।

प्रमुख गतिविधियाँ:

विशेषज्ञों के व्याख्यानः संगोष्ठियों में कृषि विशेषज्ञों, जैविक खेती के विशेषज्ञों, और अनुभवी किसानों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें जैविक खेती के सिद्धांतों, तकनीकों, लाभों, और चुनौतियों पर चर्चा की गई।

किसानों के साथ बातचीतः किसानों को विशेषज्ञों और अन्य किसानों के साथ बातचीत करने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला।

प्रोत्साहन और समर्थनः ट्रस्ट ने किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण, सहायता प्रदान करने का सराहनीय प्रयास किया।

जल एवं जागरूकता शिविर

सार्थक चेरीटेबल ट्रस्ट ने जल संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 12 अगस्त 2024 को छीपाबडोद और 28 अगस्त 2024 को छबड़ा विकास खंड में जल एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इन शिविरों का उद्देश्य लोगों को जल के महत्व के बारे में जागरूक करना और जल संरक्षण के उपायों पर जानकारी देना था।

शिविरों में जल संरक्षण से संबंधित कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल प्रदूषण नियंत्रण के तरीके बताए गए। स्थानीय समुदाय को यह समझाया गया कि जल की बचत केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से भी संभव है।

शिविर में जल प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की गई और यह बताया गया कि जल स्रोतों को साफ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही, जल के सही उपयोग और बचत के सरल तरीकों पर भी जानकारी दी गई।

समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया ताकि लोग जल के महत्व को समझें और अपने दैनिक जीवन में बदलाव लाकर पानी की बर्बादी रोक सकें।

स्थानीय समुदाय में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा की और जल संकट के समाधान के लिए एक ठोस कदम बढ़ाया। इस तरह के शिविर भविष्य में जल संकट से निपटने के लिए एक प्रभावी कदम साबित हो सकते हैं, जिससे हमारे जल संसाधनों का संरक्षण हो सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो।